



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 300]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, मितम्बर 15, 1977 भाद्र 24, 1899

No. 300]

NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 15, 1977 BHADRA 24, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ सख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## MINISTRY OF FINANCE

Department of Revenue

NOTIFICATION

CENTRAL EXCISES

New Delhi, the 15th September, 1977

G.S.R. 610(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules 1944, and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Revenue No. 217/77-Central Excises, dated the 15th July, 1977, the Central Government hereby exempts aerated waters, falling under Item No. 1D of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act 1944 (1 of 1944) manufactured by or on behalf of a manufacturer in one or more factories from the whole of the duty of excise leviable thereon

Provided that no power is used in any process of such manufacture or if power is used, its use is restricted to carbonation of water and washing of bottles and the power so used does not exceed one horsepower for carbonation of water and half horsepower for washing of bottles

Provided further that the exemption shall be admissible to a manufacturer only in respect of the output of not more than one soda fountain and in respect of the output of not more than two filling machines

Explanation—

(a) When more than two filling machines are installed in a factory in which power is not used in any process of manufacture or is used to the extent and for the purposes specified above the output of one such filling machine shall be determined by dividing the total output of such aerated waters by the number

of filling machines installed and the result so arrived at shall be multiplied by two,

(b) Filling machines shall include such machines as are capable of only carbonating bottles pre filled with water

[No 293/77—F No B 3/5/77-TRU]

G. K. PILLAI, Under Secy

**बिना मन्त्रालय  
(राजस्व विभाग)**

**अधिसूचना**

**केंद्रीय उत्पाद-शुल्क**

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 1977

सा० का० नि० 610 (अ) —केंद्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के वित्त मन्त्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना संख्या 217/77—केंद्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 6 जुलाई, 1977 को अधिष्ठात करने हुए, केंद्रीय सरकार, केंद्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद सं० 1ब के अन्तर्गत सम्मिलित बानित जलों को, जिनका विनिर्माण किसी विनिर्माता द्वारा या उसकी ओर से एक या अधिक कारखानों में किया गया हो, उन पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से छूट देती है

परन्तु यह तब जब ऐसे विनिर्माण की किसी प्रक्रिया में पावर का प्रयोग नहीं किया जाता है अथवा यदि पावर का प्रयोग किया जाता है तो वह जल के कार्बनीकरण तथा बोतलों की धुलाई तक सीमित है और जल के कार्बनीकरण के लिए एक अथवा अधिक शक्ति से और बोतलों की धुलाई के लिए आधे अथवा शक्ति से अधिक नहीं है

परन्तु यह और कि यह छूट विनिर्माता को केवल अधिक से अधिक एक मोटा फाउन्टेन और अधिक से अधिक दो भराई मशीनों के उत्पादन की बाबत अनुज्ञेय होगी ।

**स्पष्टीकरण—**इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए,—

- (क) जहां दो से अधिक भराई मशीनें ऐसी किसी कारखाने में स्थापित की जाती हैं जिसमें विनिर्माण की किसी प्रक्रिया में पावर का प्रयोग नहीं किया जाता अथवा ऊपर विनिर्दिष्ट विस्तार तक और प्रयोजनों के लिए किया जाता है, वहां ऐसी एक मशीन के उत्पादन का अवधारण ऐसे बानित जल के कुल उत्पादन को सम्स्थापित ऐसी भराई मशीनों की संख्या से विभाजित करके किया जाएगा और भजन फल को दो से गुणा किया जाएगा ,
- (ख) भराई मशीनों में ऐसी मशीनें भी सम्मिलित होंगी जो पहले ही जल में भरी हुई बोतलों के केवल कार्बनीकरण के योग्य हैं ।

[स० 293/77—फ० बी० 3/5/77—टी० आर० यू०]

जी० क० पिन्ने अवर सचिव ।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मन्त्रालय, मन्टो रोड, नई दिल्ली द्वारा  
मुद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977